चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Tribune	24.4.24	02	7-8

The Tribune

VOICE OF THE PEOPLE

HARYANA AGRICULTURAL UNIVERSITY

Hisar: A digital lab would be established at Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University to strengthen the social and economic upliftment of Scheduled Caste farmers and to aid in their capacity building. Vice-Chancellor Professor BR Kamboj, giving information, said a grant of Rs 60 lakh had been provided under the Rashtriya Krishi Vikas Yojana (RKVY) of Haryana Government. In this lab, farmers would be trained and provided latest technical information related to agriculture sector.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	24-4-24	03	7-8

एचएयू में अनुसूचित जाति के किसानों को तकनीकी ज्ञान देने को डिजिटल लैब बनेगी

भास्कर न्यूज | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति के किसानों के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान तथा उनकी क्षमता निर्माण को मजबूती प्रदान करने के लिए एक डिजिटल लैब की स्थापना की जाएगी। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि हरियाणा सरकार की राष्ट्रीय कृषि विकास योजना आरकेवीवाई के तहत 60 लाख रुपए की अनुदान राशि प्रदान की गई है।

इस लैब में किसानों को कृषि क्षेत्र से संबंधित नवीनतम तकनीकी जानकारी देने के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। डिजिटल लैब में मौसम संबंधी, अनुदान संबंधी, फसलों में होने वाले नुकसान की जानकारी तथा फसलों में कीट आदि की जानकारी किसानों को दी जाएगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे शोध कार्यों, विकसित किए जा रहे उन्नत किस्म के बीजों, कृषि संबंधी प्रशिक्षण आदि से प्रदेश के किसानों को लाभ प्राप्त हो रहा है। यह उसी कड़ी में एक कदम है।

डिजिटल लैब परियोजना की प्रमुख अन्वेषक डॉ. रश्मि त्यागी ने बताया कि अनुसूचित जाति के किसानों को कृषि पोर्टल से जुड़ी तमाम जानकारी उपलब्ध करवाई जाएगी, ताकि किसानों की आर्थिक स्थिति को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके। इस लैब के माध्यम से किसानों के समक्ष आने वाली विभिन्न प्रकार की समस्याओं का निराकरण करने में मदद मिलेगी। परियोजना में सह प्रमुख अन्वेषक डॉ. जतेश काठपालिया, डॉ. विनोद कुमारी, डॉ. जितेन्द्र भाटिया व डॉ. अतुल ढींगड़ा शामिल हैं। इस अवसर पर कृषि कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व एसवीसी कपिल अरोड़ा उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	24-4-24	03	2-3

हकृवि में बनेगी डिजिटल लैब में किसानों को देंगे तकनीकी ज्ञान

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ डिजिटल लैब परियोजना से जुड़े अधिकारी व अन्य । • पीआरओ

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति के किसानों के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान तथा उनकी क्षमता निर्माण को मजबूती प्रदान करने के लिए एक डिजिटल लैब की स्थापना की जाएगी। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि हरियाणा सरकार की राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) के तहत 60 लाख रुपए की अनुदान राशि प्रदान की गई है। इस लैब में किसानों को कृषि क्षेत्र से संबंधित नवीनतम तकनीकी जानकारी देने के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। डिजिटल लैब में मौसम संबंधी, अनुदान संबंधी, फसलों में होने वाले नुकसान की जानकारी तथा फसलों में कीट आदि की जानकारी किसानों को दी जाएगी। डिजिटल लैब परियोजना की प्रमुख अन्वेषक डा. रश्मि त्यागी ने बताया कि अनुसूचित जाति के किसानों को कृषि पोर्टल से जुड़ी तमाम जानकारी उपलब्ध करवाई जाएगी। ताकि किसानों की आर्थिक स्थिति को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके। परियोजना में सह प्रमुख अन्वेषक डा. जतेश काठपालिया, डा. विनोद कुमारी, डा. जितेन्द्र भाटिया व डा. अतुल ढींगड़ा शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि-भूमि	24-4-24	09	5-8

स्थापित होने वाली लैब के लिए मिली 60 लाख की अनुदान राशि

एचएयू में स्थापित होगी डिजिटल लैब, अनुसूचित जाति के किसानों को दिया जाएगा तकनीकी ज्ञान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति के किसानों के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान तथा उनकी क्षमता निर्माण को मजबूती प्रदान करने के लिए डिजिटल लैब की स्थापना की जाएगी। लैब की स्थापना के बाद इन किसानों को तकनीकी ज्ञान दिया जा सकेगा। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि हरियाणा सरकार की राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) के तहत 60 लाख रुपये की अनुदान राशि प्रदान की गई है। इस लैब में किसानों को कृषि क्षेत्र से संबंधित नवीनतम तकनीकी जानकारी देने के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। डिजिटल लैब में मौसम संबंधी, अनुदान संबंधी, फसलों में होने वाले नुकसान की जानकारी तथा फसलों में कीट आदि की जानकारी किसानों को दी जाएगी। विवि के वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे शोध कार्यों, विकसित किये जा रहे उन्नत किस्म के बीजों, कृषि संबंधी प्रशिक्षण इत्यादि से प्रदेश के किसानों को लाभ प्राप्त हो रहा है।

हिसार। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ डिजिटल लैब परियोजना से जुड़े अधिकारी व अन्य। फोटो: हरिभूमि

कृषि पोर्टल की जानकारी उपलब्ध करवाई जाएगी

डिजिटल लैब परियोजना की प्रमुख अन्वेषक डॉ. रश्मि त्यागी ने बताया कि अनुसूचित जाति के किसानों को कृषि पोर्टल से जुड़ी तमाम जानकारी उपलब्ध करवाई जाएगी ताकि किसानों की आर्थिक स्थिति को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके। इस लैब के माध्यम से किसानों के समक्ष आने वाली विभिन्न प्रकार की समस्याओं का निराकरण करने में मदद मिलेगी। परियोजना में सह प्रमुख अन्वेषक डॉ. जतेश काठपालिया, डॉ. विनोद कुमारी, डॉ. जितेन्द्र भाटिया व डॉ. अतुल ढींगड़ा शामिल हैं। मौके पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व एसवीसी कपिल अरोड़ा उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	24.4.24	09	1-3

डिजिटल लैब में किसानों को मिलेगा तकनीकी ज्ञानः कुलपति

■ राष्ट्रीय कृषि विकास योजनाः मिली 60 लाख रुपए की अनुदान राशि

हिसार(सच कहूँ न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति के किसानों के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान तथा उनकी क्षमता निर्माण को मजबूती प्रदान करने के लिए एक डिजिटल लैब की स्थापना की जाएगी। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि सरकार की राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत 60 लाख रुपए की अनुदान राशि प्रदान की गई है। इस लैब में किसानों को कृषि क्षेत्र से संबंधित नवीनतम तकनीकी जानकारी देने के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। डिजिटल लैब में मौसम संबंधी, अनुदान संबंधी, फसलों में होने वाले नुकसान की जानकारी तथा फसलों में कीट आदि की जानकारी किसानों को दी जाएगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे शोध कार्यों, विकसित किये जा रहे उन्नत किस्म के बीजों, कृषि संबंधी प्रशिक्षण इत्यादि से प्रदेश के किसानों को लाभ प्राप्त हो रहा है। डिजिटल लैब परियोजना की प्रमुख अन्वेषक डॉ. रश्मि त्यागी ने बताया कि अनुसूचित जाति के किसानों को कृषि पोर्टल से जुड़ी तमाम जानकारी उपलब्ध करवाई जाएगी। इस लैब के माध्यम से किसानों के समक्ष आने वाली विभिन्न प्रकार की समस्याओं का निराकरण करने में मदद मिलेगी। परियोजना में सह प्रमुख अन्वेषक डॉ. जतेश काठपालिया, डॉ. विनोद कुमारी, डॉ. जितेन्द्र भाटिया व डॉ. अतुल ढींगड़ा शामिल हैं।

इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व एसवीसी कपिल अरोड़ा उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	24-4-24	05	4-5

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ डिजिटल लैब परियोजना से जुड़े अधिकारी व अन्य

हकृवि में अनुसूचित जाति के किसानों को तकनीकी ज्ञान देने हेतु डिजिटल लैब होगी स्थापित, मिली 60 लाख की अनुदान राशि

हिसार, 23 अप्रैल (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति के किसानों के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान तथा उनकी क्षमता निर्माण को मजबूती प्रदान करने के लिए एक डिजिटल लैब की स्थापना की जाएगी। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा सरकार की राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) के तहत 60 लाख रुपए की अनुदान राशि प्रदान की गई है। इस लैब में किसानों को कृषि क्षेत्र से संबंधित नवीनतम तकनीकी जानकारी देने के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। डिजिटल लैब में मौसम संबंधी, अनुदान संबंधी, फसलों में होने वाले नुकसान की जानकारी तथा फसलों में कीट आदि की जानकारी किसानों को दी जाएगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे शोध कार्यों, विकसित किये जा रहे उन्नत किस्म के बीजों, कृषि संबंधी प्रशिक्षण इत्यादि से प्रदेश के किसानों को लाभ प्राप्त हो रहा है। यह उसी कड़ी में एक कदम है। डिजिटल लैब परियोजना की प्रमुख अन्वेषक डॉ. रश्मि त्यागी ने बताया कि अनुसूचित जाति के किसानों को कृषि पोर्टल से जुड़ी तमाम जानकारी उपलब्ध करवाई जाएगी ताकि किसानों की आर्थिक स्थिति को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके। इस लैब के माध्यम से किसानों के समक्ष आने वाली विभिन्न प्रकार की समस्याओं का निराकरण करने में मदद मिलेगी। परियोजना में सह प्रमुख अन्वेषक डॉ. जतेश काठपालिया, डॉ. विनोद कुमारी, डॉ. जितेन्द्र भाटिया व डॉ. अतुल ढींगड़ा शामिल हैं। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार, मीडिया एडवाइज़र डॉ. संदीप आर्य व एसवीसी कपिल अरोड़ा उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	24-4-24	07	08

किसानों के लिए हकृवि में बनेगी डिजिटल लैब

हिसार, 23 अप्रैल (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति के किसानों के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान तथा उनकी क्षमता निर्माण को मज़बूती प्रदान करने के लिए एक डिजिटल लैब की स्थापना की जाएगी। हरियाणा सरकार की राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) के तहत 60 लाख रुपए की अनुदान राशि प्रदान की गई है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस लैब में किसानों को कृषि क्षेत्र से संबंधित नवीनतम तकनीकी जानकारी देने के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। डिजिटल लैब में मौसम संबंधी, अनुदान संबंधी, फसलों में होने वाले नुकसान की जानकारी तथा फसलों में कीट आदि की जानकारी किसानों को दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे शोध कार्यों, विकसित किये जा रहे उन्नत किस्म के बीजों, कृषि संबंधी प्रशिक्षण इत्यादि से प्रदेश के किसानों को लाभ प्राप्त हो रहा है। डिजिटल लैब परियोजना की प्रमुख अन्वेषक डॉ. रश्मि त्यागी ने बताया कि अनुसूचित जाति के किसानों को कृषि पोर्टल से जुड़ी तमाम जानकारी उपलब्ध करवाई जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	24-4-24	03	6-7

किसानों को तकनीकी ज्ञान देने के लिए डिजिटल लैब होगी स्थापित, मिली 60 लाख रुपए की अनुदान राशि

हिसार (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति के किसानों के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान तथा उनकी क्षमता निर्माण को मजबूती प्रदान करने के लिए एक डिजिटल लैब की स्थापना की जाएगी।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि हरियाणा सरकार की राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत 60 लाख रुपए की अनुदान राशि प्रदान की गई है। इस लैब में किसानों को कृषि क्षेत्र से संबंधित नवीनतम तकनीकी जानकारी देने के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। डिजिटल लैब में मौसम संबंधी, अनुदान संबंधी, फसलों में होने वाले नुक्सान की जानकारी तथा फसलों में कीट आदि की जानकारी किसानों को दी जाएगी। डिजिटल लैब परियोजना की प्रमुख अन्वेषक डॉ. रश्मि त्यागी ने बताया कि अनुसूचित जाति के किसानों को कृषि पोर्टल से जुड़ी तमाम जानकारी उपलब्ध करवाई जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	23.04.2024	--	--

किसान अब सीखेंगे तकनीकी ज्ञान, डिजिटल लैब होगी स्थापित, मिला 60 लाख रुपए का अनुदान

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति के किसानों के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान तथा उनकी क्षमता निर्माण को मजबूती प्रदान करने के लिए एक डिजिटल लैब की स्थापना की जाएगी। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा सरकार की राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) के तहत 60 लाख रुपए की अनुदान राशि प्रदान की गई है। इस लैब में किसानों को कृषि क्षेत्र से संबंधित नवीनतम तकनीकी जानकारी देने के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। डिजिटल लैब में मौसम संबंधी, अनुदान संबंधी, फसलों में होने वाले नुकसान की जानकारी तथा फसलों में कीट आदि की जानकारी किसानों को दी जाएगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे शोध कार्यों, विकसित किये जा रहे उन्नत किस्म के बीजों, कृषि संबंधी प्रशिक्षण इत्यादि से प्रदेश के किसानों को लाभ प्राप्त हो रहा है। यह उसी कड़ी में एक कदम है।

प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ डिजिटल लैब परियोजना से जुड़े अधिकारी व अन्य

डिजिटल लैब परियोजना की प्रमुख अन्वेषक डॉ. रश्मि त्यागी ने बताया कि अनुसूचित जाति के किसानों को कृषि पोर्टल से जुड़ी तमाम जानकारी उपलब्ध करवाई जाएगी ताकि किसानों की आर्थिक स्थिति को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके। इस लैब के माध्यम से किसानों के समक्ष आने वाली विभिन्न प्रकार की समस्याओं का निराकरण करने में मदद मिलेगी। परियोजना में सह प्रमुख अन्वेषक डॉ. जतेश काठपालिया, डॉ. विनोद कुमारी, डॉ. जितेन्द्र भाटिया व डॉ. अतुल ढींगड़ शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	23.04.2024	--	--

हकृवि में डिजिटल लैब होगी स्थापित

पल पल न्यूज: हिसार, 23 अप्रैल। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति के किसानों के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान तथा उनकी क्षमता निर्माण को मजबूती प्रदान करने के लिए एक डिजिटल लैब की स्थापना की जाएगी। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा सरकार की राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरके वीवाई) के तहत 60 लाख रुपए की अनुदान राशि प्रदान की गई है। इस लैब में किसानों को कृषि क्षेत्र से संबंधित नवीनतम तकनीकी जानकारी देने के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। डिजिटल लैब में मौसम संबंधी, अनुदान संबंधी, फसलों में होने वाले नुकसान की जानकारी तथा फसलों में कीट आदि की जानकारी किसानों को दी जाएगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे शोध कार्यों, विकसित किये जा रहे उन्नत किस्म के बीजों, कृषि संबंधी प्रशिक्षण इत्यादि से प्रदेश के किसानों को लाभ प्राप्त हो रहा है। यह उसी कड़ी में एक कदम है। डिजिटल लैब परियोजना की प्रमुख अन्वेषक डॉ. रश्मि त्यागी ने बताया कि अनुसूचित जाति के किसानों को कृषि पोर्टल से जुड़ी तमाम जानकारी उपलब्ध करवाई जाएगी ताकि किसानों की आर्थिक स्थिति को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके। इस लैब के माध्यम से किसानों के समक्ष आने वाली विभिन्न प्रकार की समस्याओं का निराकरण करने में मदद मिलेगी। परियोजना में सह प्रमुख अन्वेषक डॉ. जतेश काठपालिया, डॉ. विनोद कुमारी, डॉ. जितेन्द्र भाटिया व डॉ. अतुल ढींगड़ा शामिल हैं। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार, मीडिया एड वाइज़र डॉ. संदीप आर्य व एसवीसी कपिल अरोड़ा उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स न्यूज	23.04.2024	--	--

हकृवि में अनुसूचित जाति के किसानों को तकनीकी ज्ञान देने हेतु डिजिटल लैब होगी स्थापित, मिली 60 लाख रुपए की अनुदान राशि

चिराग टाइम्स न्यूज

हिसार- चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति के किसानों के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान तथा उनकी क्षमता निर्माण को मजबूती प्रदान करने के लिए एक डिजिटल लैब की स्थापना की जाएगी। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा सरकार की राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) के तहत 60 लाख रुपए की अनुदान राशि प्रदान की गई है। इस लैब में किसानों को कृषि क्षेत्र से संबंधित नवीनतम तकनीकी जानकारी देने के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। डिजिटल लैब में मौसम संबंधी, अनुदान संबंधी, फसलों में होने वाले नुकसान की जानकारी तथा फसलों में कीट आदि की जानकारी किसानों को दी जाएगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय

के वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे शोध कार्यों, विकसित किये जा रहे उन्नत किस्म के बीजों, कृषि संबंधी प्रशिक्षण इत्यादि से प्रदेश के किसानों को लाभ प्राप्त हो रहा है। यह उसी कड़ी में एक कदम ह ।

डिजिटल लैब परियोजना की प्रमुख अन्वेषक डॉ. रश्मि त्यागी ने बताया कि अनुसूचित जाति के किसानों को कृषि पोर्टल से जुड़ी तमाम जानकारी उपलब्ध करवाई जाएगी ताकि किसानों की आर्थिक स्थिति को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके। इस लैब के माध्यम से किसानों के समक्ष आने वाली विभिन्न प्रकार की समस्याओं का निराकरण करने में मदद मिलेगी। परियोजना में सह प्रमुख अन्वेषक डॉ. जतेश काठपालिया, डॉ. विनोद कुमारी, डॉ. जितेन्द्र भाटिया व डॉ. अतुल ढींगड़ा शामिल हैं। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार, मीडिया एडवाइज़र डॉ. संदीप आर्य व एसवीसी कपिल अरोड़ा उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	24.4.24	04	07

एचएयू में मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण आज से

हिसार | हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की तरफ से 24 अप्रैल से मधुमक्खी पालन विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण किया जाएगा। उक्त संस्थान के सह निदेशक प्रशिक्षण डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि इस प्रशिक्षण में बेरोजगार युवक एवं किसान हिस्सा ले सकते हैं। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को मधुमक्खी पालन व्यवसाय से जुड़ी सभी जानकारियां दी जाएंगी। प्रशिक्षण के संयोजक एवं सहायक निदेशक कीट विज्ञान डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण में हिस्सा लेने के इच्छुक व्यक्ति 24 अप्रैल को प्रातः 9 बजे उपरोक्त संस्थान में अपना पंजीकरण करवा कर प्रशिक्षण में हिस्सा ले सकते हैं। प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए आधार कार्ड तथा एक पासपोर्ट साइज फोटो अवश्य लेकर आए।